ये अव्यक्त इशारे

संस्कार मिलन की रास करो

19-04-2024

सर्विस में सफलता का आधार है नम्रता। जितनी नम्रता उतनी सफलता। नम्रता आती है निमित्त समझने से। नम्रता के गुण से सब नमन करते हैं। जो खुद झुकता है उसके आगे सभी झुकते हैं इसलिए शरीर को निमित्त मात्र समझकर चलो और सर्विस में अपने को निमित्त समझकर चलो तब नम्रता आयेगी। जहाँ नम्रता है वहाँ टकराव नहीं हो सकता। स्वतः संस्कार मिलन हो जायेगा।

Perform the dance of harmonising sanskars.

The basis of success in service is humility. The more humility there is, the more success there is. Humility comes from considering yourself to be an instrument. Everyone bows down to the virtue of humility. Everyone bows down to those who bow down themselves. Therefore, move along whilst considering the body to be an instrument and consider yourself to be an instrument for service and you will develop humility. Where there is humility, there cannot be conflict. There will naturally be harmony of sanskars.